1 (Sem-5/FYUGP) HIN 43 MJ

2025

HINDI

(Major)

Paper : HIN0500304

(छायावादोत्तर हिन्दी कविता)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) अज्ञेय मूलतः किस काव्यधारा से जुड़े कवि हैं?

(ख) कवि दिनकर को किस काव्यकृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ था?

(ग) 'हँसो हँसो जल्दी हँसो' किस कवि की रचना है?

(घ) 'झपटता बाज़' और 'फन उठाए साँप' का उल्लेख किस कविता में हुआ है?

(ङ) धूमिल का संपूर्ण नाम क्या है?

(च) कवि नागार्जुन के अनुसार दंतुरित मुस्कान में किसमें जान डालने की क्षमता है?

(छ) 'एक भारतीय आत्मा' किस कवि का उपनाम है?

(ज) फंटासी के शिल्प-प्रयोग की चर्चा किस कवि के लिए होती है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **छः** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×6=12

(क) 'कैदी और कोकिला' कविता कब और कहाँ लिखी गयी थी?

(ख) 'अकाल और उसके बाद' कविता के अनुसार घर भर की आँखें चमक उठने की क्या वजह है?

(ग) "जब भी
भूख से लड़ने
कोई खड़ा हो जाता है
सुंदर दीखने लगता है।"
—इन पंक्तियों में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'पुष्प की अभिलाषा' कविता में पुष्प की क्या अभिलाषा प्रकट हुई है?

(ङ) "हँसो अपने पर न हँसना क्योंकि उसकी कड़वाहट
पकड़ ली जाएगी और तुम मारे जाओगे"
—का आशय स्पष्ट कीजिए।

(च) कवि धूमिल की कोई दो काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

(छ) 'नई कविता' की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ज) धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य!
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य!
—कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

(झ) कवि गजानन माधव मुक्तिबोध द्वारा लिखित किन्हीं दो कृतियों के नाम लिखिए।

(ञ) 'पहला सप्तक' कब प्रकाशित हुआ था? इसके संपादक कौन थे?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'कैदी और कोकिला' कविता में कवि ने बंदी जीवन की किन-किन दुर्दशाओं का वर्णन किया है?

(ख) दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,
देह सुखी हो पर मन के दुःख का अंत नहीं।
दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,
क्या हुआ खिला फूल रस-बसंत जाने पर?
जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,
छाया मत छूना, मन
होगा दुख दूना, मन!
—का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) रघुवीर सहाय द्वारा रचित 'नेता क्षमा करें' कविता का वर्ण्य-विषय क्या है?

(घ) 'दुख' शीर्षक कविता के संवेदना-पक्ष का विवेचन कीजिए।

(ङ) कवि शमशेर बहादुर सिंह के कवि व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

(च) 'मांझी न बजाओ बंशी मेरा मन डोलता' कविता का मूलभाव स्पष्ट कीजिए।

(छ) पठित कविता के आधार पर लिखिए कि नभ से एक बूँद के टपकने पर कवि के मन में किन-किन भावनाओं का उदय हुआ।

(ज) कवि धर्मवीर भारती जी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) 'हिमालय' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

(ख) कवि भवानीप्रसाद मिश्र द्वारा लिखित 'गीत फ़रोश' कविता के अनुभूति-पक्ष का विवेचन कीजिए।

(ग) काव्य-सौन्दर्य की दृष्टि से 'चंद्र गहना से लौटती बेर' कविता की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'आज है केसर रंग रंगे वन' कविता का भावार्थ लिखिए।

(ङ) प्रसंग-संगति दर्शाकर व्याख्या कीजिए :

"और सचमुच, इन्हें जब-जब देखता हूँ
यह खुला वीरान संसृति का घना हो सिमट आता है—
और मैं एकांत होता हूँ समर्पित।
शब्द जादू हैं...
मगर क्या यह समर्पण कुछ नहीं है?"

★★★